ये अव्यक्त इशारे

ब्रह्मा बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण स्थिति का अनुभव करो

8-11-2026

''बिन्दु और सिन्धु'' यह दो शब्द भी अगर याद रखो तो सम्पूर्णता सहज आ सकती है। एक बिन्दू की याद और एकरस अवस्था, एक की ही मत और एक के ही कर्तव्य में मददगार। सिर्फ बिन्दु और एक, उसके आगे विस्तार में जाने की दरकार नहीं। विस्तार में जाना है तो सिर्फ सर्विस प्रति। उसके आगे अपनी बुद्धि को चलाने की आवश्यकता नहीं है।

Experience the complete and perfect stage, the same as Father Brahma.

If you just remember the two words "bindu" (dot) and "sindhu" (ocean), you can easily attain perfection. Have remembrance of the one Dot and have a constant stage, follow the directions of the One and be a helper in the task of the One. Let there just be the Dot and the One and there is no need to go into any expansion after that. If do you have to go into expansion, let it only be for service. There is no need to use your intellect further than that.